



आइए सीखें - ● चित्र कथा पढ़ना ● महान व्यक्तियों के जीवन से प्रेरणा ● रकार (,) व रेफ (') वाले शब्दों की पहचान ● विलोम शब्द ● मुहावरे ● शब्द रचना।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को मुगलसराय (उ.प्र.) के समीप एक छोटे से गाँव रामनगर में हुआ था। उनके पिता शारदाप्रसाद के निधन के बाद माता रामदुलारी ने उनका लालन-पालन किया। उन्होंने प्रारम्भिक शिक्षा गाँव में पूरी की। वे आगे पढ़ना चाहते थे किन्तु -



शिक्षण संकेत : ■ लाल बहादुर शास्त्री के जीवन चरित्र के विषय में चर्चा करें। ■ लाल बहादुर जी से सम्बन्धित प्रेरक प्रसंग कक्षा में सुनाएँ। ■ अन्य कोई चित्र कथा को क्रमवार दिखाकर बच्चों से चर्चा करें और श्यामपट पर लिखते जाएँ। इससे जो कहानी बने उसे बच्चों से पढ़वाएँ और लिखवाएँ।

उनके पास नाव वाले की मजदूरी देने के लिए दो पैसे जुटाना भी मुश्किल था। पर उन्होंने हार नहीं मानी।

आओ भैया, नाव
में बैठ जाओ।

नहीं मल्लाह काका बस
तुम बस्ता और कपड़े रख लो,
मैं तैरकर उस पार जाऊँगा।



लाल बहादुर सचमुच
गुदड़ी का लाल है और
बहादुर भी।

हाँ, गंगा की इतनी चौड़ी
धार पार करना हँसी खेल
नहीं है।



लाल बहादुर तैरने में ही नहीं पढ़ाई में भी अक्ल थे।

लाल बहादुर,
तुम्हें इस साल भी पूरे जिले
में पहला स्थान मिला है।

गुरुजी, यह आपकी शिक्षा
और आशीर्वाद का फल है।



श्री लाल बहादुर ने काशी विद्यापीठ (वाराणसी) से शास्त्री की परीक्षा उत्तीर्ण की।

लाल बहादुर जी,
शास्त्री की उपाधि मिलने
पर बधाई।

धन्यवाद, अब मैं अपने नाम
के साथ शास्त्री लिखूँगा।





शास्त्री जी को इलाहाबाद की नैनी जेल में रखा गया। उनके जेल में रहते समय उनकी पुत्री पुष्पा गंभीर रूप से बीमार पड़ी। अंग्रेज सरकार ने इस स्थिति का लाभ उठाना चाहा।



शास्त्रीजी अंग्रेजों के सामने कभी नहीं झुके। देश स्वतन्त्र होने पर वे रेलमंत्री बनाए गए। एक बड़ी रेल दुर्घटना होने पर उन्होंने अपने पद से त्याग पत्र दे दिया।

मैं रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से त्याग पत्र दे रहा हूँ।

शास्त्री जी, आपका यह निर्णय नैतिक दृष्टि से उचित है।



नेहरूजी के निधन के बाद 2 जून 1964 को लाल बहादुर शास्त्री देश के प्रधानमंत्री बने। सन् 1965 में पाकिस्तान ने भारत से लड़ाई छेड़ दी। उन्हीं दिनों

देश में अनाज की भारी कमी थी। शास्त्री जी ने अपने भाषण में कहा-
“हमें अपनी रक्षा के लिए सीमा पर खून और खेतों में पसीना बहाना होगा हमारा नारा है -

जय जवान।

जय किसान।”



जय जवान - जय किसान



शास्त्री जी ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। पाकिस्तानी सेना को मुँह की खानी पड़ी। पर युद्ध के बाद अचानक 11 जनवरी 1966 को शास्त्री जी का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। दिल्ली में उनकी समाधि विजयघाट पर बनी है। सभी अपने श्रद्धा सुमन चढ़ाकर भारत माँ के लाल को नमन करते हैं।



शब्दार्थ

महान	– बड़ा	नैतिक	– नीति के अनुसार
स्वतन्त्रता-	– आजादी की लड़ाई	निधन	– मृत्यु
संग्राम		खून बहाना	– बलिदान देना
सेनानी	– सैनिक	पसीना बहाना	– मेहनत करना
दाँतों तले	– दंग हो जाना	करारा जबाब	– कड़ा जबाब देना
ऊंगली दबाना		मुँह की खाना	– बुरी तरह हारना
बहादुर	– शूरीवीर	समाधि	– शव दाह स्थल पर बनाया गया स्मारक
हँसी खेल न होना	– आसान काम न होना	श्रद्धा सुमन	– आदर भाव से अर्पित फूल
अव्वल	– प्रथम, सर्वश्रेष्ठ	नमन	– आदर पूर्वक झुकना, प्रणाम या नमस्कार करना
राह	– रास्ता	गुदड़ी का लाल	– साधारण घर में जन्मा असाधारण गुणी व्यक्ति।
दुर्घटना	– अशुभ या दुखद घटना		
त्यागपत्र	– इस्तीफा		



अभ्यास

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- (क) लालबहादुर शास्त्री का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
- (ख) लालबहादुर शास्त्री के माता-पिता का नाम लिखिए ?
- (ग) लालबहादुर शास्त्री की प्रारम्भिक शिक्षा कहाँ हुई थी ?
- (घ) लालबहादुर जी तैरकर किस नदी को पार करते थे ?
- (ङ) लाल बहादुर शास्त्री को प्रारम्भिक शिक्षा के लिए किन-किन बाधाओं का सामना करना पड़ा ?
- (च) लाल बहादुर शास्त्रीजी के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए।
- (छ) लाल बहादुर शास्त्री ने रेल दुर्घटना होने पर क्या किया ?

2. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए -

1. लाल बहादुर जी बचपन में शाला जाते थे।
(तैरकर/चलकर)
2. लाल बहादुर जी तैरने में ही नहीं में भी अव्वल थे।
(पढ़ाई/खेल)
3. शास्त्रीजी को इलाहाबाद के में रखा गया।
(जेल/रेल)
4. देश स्वतंत्र होने पर वे बनाए गए।
(रेलमंत्री/खेल मंत्री)
5. “जय जवान-जय किसान” का नारा था।
(शास्त्री जी/नेहरू जी)



भाषा अध्ययन

यह भी जानिए -

क्रम - कर्म

क्रम = क् + र + म, क्रम में 'क' आधा है और 'र' पूरा है उसका उपयोग 'र' होता है। इसे रकार कहते हैं।

कर्म = क + र् + म है। कर्म में 'र' आधा है और इसका उपयोग (र्) होता है। इसे रेफ कहते हैं।

1. पढ़िए समझिए और लिखिए-

(प्रसाद, प्रारम्भिक, सिर्फ, प्रशंसा, विद्यार्थी, आशीर्वाद, उत्तीर्ण, संग्राम, वर्दी, अंग्रेज, दुर्घटना, निर्णय, प्रधानमंत्री, प्रार्थना)

प्रसाद

.....
.....
.....
.....
.....

सिर्फ

.....
.....
.....
.....
.....

समझिए और लिखिए

स् + व + त + न् + त्र + ता

=

प् + रा + र + म् + भि + क

=

वि + द् + या + र् + थी

=

दु + र् + घ + ट + ना

=

3. कुछ शब्दों में 'अ' लगाने से विलोम (विपरीत अर्थ) शब्द बनते हैं, जैसे शान्त = अशान्त । 'अ' जोड़कर इन शब्दों के विलोम शब्द बनाइए ।

नैतिक -

निर्णय -

दृश्य -

सफल -

4. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए -

गुदड़ी का लाल -

दाँतो तले उँगली दबाना -

हाँसी खेल न होना -

खून बहाना -

पसीना बहाना -

मुँह की खाना -



योग्यता विस्तार

- ◆ शिक्षक की सहायता से लालबहादुर शास्त्री के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर चर्चा कीजिए।
- ◆ यदि लालबहादुर जी की जगह तुम होते तो तुम शाला कैसे जाते ?
- ◆ लाल बहादुर जी के बारे में पुस्तकालय से पुस्तकें प्राप्त कर पढ़ो और उनके जीवन की जानकारी संकलित कीजिए।